

लो आ गया दर पे श्याम लो खबर मेरी भजन लिरिक्स



लो आ गया दर पे श्याम,
लो खबर मेरी,
लो खबर मेरी,
लो खबर मेरी,
लों आ गया दर पे श्याम,
लो खबर मेरी lbd।

तर्ज - लो आ गई उनकी याद ।

भटका हूं मैं तो दर-दर,
परखा ये जग भी सारा,
तेरे सिवा ना कोई,
मुझको मिला सहारा,
तुमको ही ढूँढती थी,
हर पल ही नज़र मेरी,
लों आ गया दर पे श्याम,
लो खबर मेरी lbd।

करते हैं सब बुराई,
देखी रे जब गरीबी,
देते ना अब दिखाई,
जितने भी हैं करीबी,
अब सांस चल रही है,
झुक गई है कमर मेरी,
लों आ गया दर पे श्याम,
लो खबर मेरी lbd।

करता है तू भी देरी,
दुनिया भी ये खफा है,
'जालान' रो रहा है,
तुमसे ना ये छुपा है,
एक बार पूरी कर दे,
सारी तू कसर मेरी,
लों आ गया दर पे श्याम,
लो खबर मेरी lbd।



लो आ गया दर पे श्याम,
लो खबर मेरी,
लो खबर मेरी,
लो खबर मेरी,
लों आ गया दर पे श्याम,
लो खबर मेरी।

गायक – किशन मुद्गल ।
80056-18767 कोटा (राज.)
लेखक / प्रेषक – पवन जालान जी ।
94160-59499 भिवानी (हरियाणा)